

Roundtable Discussion on Innovation in Health for Chhattisgarh held at IIM Raipur

Indian Institute of Management Raipur (IIM Raipur) in association with Stanford's Biodesign conducted a roundtable discussion on innovation in health for Chhattisgarh. The roundtable saw the participation from senior officials from Government of Chhattisgarh, National Health Mission (NHM), Leaders from AIIMS Raipur, NIT Raipur, along with IIM Raipur & Stanford Biodesign Team.

Prof. Ram Kumar Kakani, Director of IIM Raipur started the discussion by setting out the context and priorities of the discussion. Prof. Kakani pointed out the need of the healthcare in the rural areas.

The deliberation pivoted around the stressed upon the need of innovation in healthcare so that the healthcare can reach people who are in need. The group pointed out that telemedicine & technology can play a pivotal role in reaching healthcare to the remotest area of the state. They also discussed the issue of patients travelling to big cities for treatment. The group also realized that there is a need to reduce the burden on tertiary hospitals like AIIMS in cities by treating them in their town or city or via telemedicine.

Further, the group deliberated on the challenges to healthcare in Chhattisgarh, one of the biggest challenges related to healthcare is the human resources in remote areas. The group also concluded that technology could fill this gap and resolve the issues. The existing policies of the govt like Ayushman Bharat Digital Mission (ABDM) and others can be used for innovation in healthcare.

The group decided to meet again for the next round of deliberation in the month of July 2024.



About IIM Raipur:

Established in 2010, IIM Raipur is a hub for nurturing dynamic leaders, equipping them with the knowledge, experience, and invaluable contacts needed to excel in their respective fields of business. Our institution draws strength from over 50 accomplished academicians across various business domains and over 700 of the brightest minds in the country. In 2023, IIM Raipur proudly achieved significant rankings, including 11th in the MHRD-NIRF Business Ranking, securing the top spot in the CSR-GHRDC B-school Ranking, and ranking 8th in the Outlook-ICARE list. We are one of the fastest-growing IIMs in the nation. Nestled in the vibrant heart of Chhattisgarh, Naya Raipur, our new, state-of-the-art campus seamlessly blends modern architecture with Chhattisgarh's rich culture and heritage, creating a unique and inspiring learning environment.



भा.प्र.सं. रायपुर में छत्तीसगढ़ के लिए स्वास्थ्य में नवाचार पर गोलमेज चर्चा आयोजित की गई।

भारतीय प्रबंध संस्थान रायपुर (भा.प्र.सं. रायपुर) ने स्टैनफोर्ड के बायोडिज़ाइन के साथ स्वास्थ्य में नवाचार पर छत्तीसगढ़ के लिए एक गोलमेज़ चर्चा का आयोजन किया। इस गोलमेज़ चर्चा में छत्तीसगढ़ सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के नेताओं, एम्स रायपुर के नेताओं, एनआईटी रायपुर, साथ ही भा.प्र.सं. रायपुर और स्टैनफोर्ड बायोडिज़ाइन टीम की भागीदारी देखी गई।

प्रोफेसर राम कुमार काकानी, भा.प्र.सं. रायपुर के निदेशक, ने चर्चा के संदर्भ और प्राथमिकताओं को निर्धारित करके चर्चा की शुरुआत की। प्रोफेसर काकानी ने ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की आवश्यकता को दर्शाया। चर्चा इस बात पर केंद्रित हुई कि स्वास्थ्य सेवाओं में नवाचार की आवश्यकता है ताकि जिन लोगों को स्वास्थ्य सेवाओं की आवश्यकता है, उन्हें सेवाएं पहुंच सकें। समूह ने इस बात पर जोर दिया कि टेलीमेडिसिन और प्रौद्योगिकी राज्य के सबसे दूरदराज क्षेत्रों तक स्वास्थ्य सेवाओं को पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। उन्होंने इस बारे में चर्चा की कि बड़े शहरों में इलाज के लिए रोगी की यात्रा की समस्या भी है। समूह ने यह भी महसूस किया कि ऐम्स जैसे तृतीयक अस्पतालों पर बोझ को कम करने की आवश्यकता है जैसा कि उन्हें उनके शहर या गाँव में इलाज कराकर या टेलीमेडिसिन के माध्यम से करना होगा।

आगे, समूह ने छत्तीसगढ़ में स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर चुनौतियों पर विचार किया, स्वास्थ्य सेवाओं से संबंधित सबसे बड़ी चुनौती में से एक ग्रामीण क्षेत्रों में मानव संसाधन है। समूह ने यह भी निष्कर्ष निकाला कि प्रौद्योगिकी इस अंतराल को पूरा कर सकती है और समस्याओं को हल कर सकती है। सरकार की मौजूदा नीतियों जैसे आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन (एबीडीएम) और अन्य का उपयोग स्वास्थ्य में नवाचार के लिए किया जा सकता है। समूह ने अगले चरण के लिए फिर से मिलने का निर्णय लिया, जो जुलाई 2024 में होगा।



भा. प्र. सं. रायपुर के बारे में:

2010 में स्थापित, भा. प्र. सं. रायपुर एक ऐसा केंद्र है जो गतिशील नेताओं को पोषित करने के लिए है, जो उन्हें व्यापार के अपने विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए जरूरी ज्ञान, अनुभव, और अनमोल संपर्क प्रदान करता है। हमारे संस्थान को व्यापार डोमेन के विभिन्न क्षेत्रों में 50 से अधिक प्रतिष्ठित शिक्षाविदों से ताकत प्राप्त है और देश के 700 से अधिक उत्कृष्ट दिमागों से लाभ होता है। 2023 में, भा. प्र. सं. रायपुर ने माननीय मानव संसाधन और विकास मंत्रालय-नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ रैंकिंग फ्रेमवर्क्स (एमएचआरडी-एनआईआरएफ) बिजनेस रैंकिंग में 11वें स्थान, सीएसआर-जीएचआरडीसी बी-स्कूल रैंकिंग में पहले स्थान, और आउटलुक-आईकेएआरई सूची में 8वें स्थान हासिल किया। हम राष्ट्र में सबसे तेजी से बढ़ रहे भा. प्र. सं. में से एक हैं। छत्तीसगढ़ के जीवंत हृदय, नया रायपुर में स्थित हमारा नया, आधुनिक कैंपस आधुनिक वास्तुकला को छत्तीसगढ़ की समृद्ध संस्कृति और विरासत के साथ मिलाकर एक अद्वितीय और प्रेरणादायक शिक्षा वातावरण बनाता है।

